

**भाउ** पुं. (तद्.) 1. भाव, चित्तवृत्ति 2. विचार भावना 3. प्रेम 4. उत्पत्ति, जन्म।

**भाकुर** स्त्री. (देश.) एक प्रकार की मछली 2. हौआ वि. 1. भददा 2. भयानक।

**भाग** पुं. (तत्.) 1. अंश, खंड, हिस्सा 2. अंश 3. पार्श्व, तरफ, ओर 4. भाग्य, किस्मत, नियति, प्रारब्ध, नसीब, तकदीर 5. भाग्य का कल्पित स्थान, ललाट, मस्तक 6. सौभाग्य 7. गणित में किसी राशि या संख्या को कई अंशों में विभाजित करने की क्रिया division 8. स्थान, जगह portion

**भागड़** स्त्री. (देश.) बहुत से लोगों का एक साथ घबराकर भागना, भगदड़।

**भागदौड़** स्त्री. (देश.) 1. भगदड़, भागड़ 2. दौड़धूप, प्रयत्न 3. उतावली, जल्दबाजी।

**भागधेय** पुं. (तत्.) 1. अंश, भाग, हिस्सा 2. किस्मत, भाग्य, तकदीर 3. सौभाग्य 4. जायदाद, संपत्ति 5. आनंद, प्रसन्नता 6. सुख 7. राजकर, राजस्व 8. प्रतिभाग नामक राजकर, विशेष प्रतिभाग 9. उत्तराधिकारी, सपिंड। excise

**भागना** अ.क्रि. (तद्.) 1. किसी विपत्ति से अपनी रक्षा के लिए अथवा भय के कारण एक स्थान से दूसरे स्थान पर चले जाना, पलायन करना 2. दौड़ लगाना या दौड़ना 3. किसी दायित्व अथवा कार्य से बचने के लिए अन्यत्र चले जाना, पीछा छुड़ाना 4. अलग रहना जैसे- दुर्जनों के संग से वह हमेशा भागता है।

**भागफल** पुं. (तत्.) गणि. भाज्य को भाजक से भाग देने पर प्राप्त होने वाली संख्या अथवा अंक लब्धि।

**भागवंत** वि. (तद्.) 1. भाग्यवंत, भाग्यवान्, भाग्यशाली, सौभाग्यवान्, किस्मत वाला।

**भागवत** पुं. (तत्.) 1. अट्ठारह पुराणों में से एक का नाम, जिसमें 12 स्कंध, 312 अध्याय तथा 18000 श्लोक हैं, इसे वेदांत की टीका माना जाता है 2. ईश्वर का भक्त वि. 1. भगवान्

संबंधी 2. भगवान का 3. वैष्णव संप्रदाय का, विष्णु को आराध्य मानने वाला संप्रदाय।

**भागाभाग** स्त्री. (देश.) 1. भगदड़, भागदौड़, भागने की हलचल क्रि.वि. 1. जल्दी-जल्दी दौड़ते हुए 2. तीव्रता से, तेजी से, जल्दी।

**भागिनेय** पुं. (तत्.) बहिन का पुत्र, भानजा।

**भागी** पुं. (तत्.) 1. भाग प्राप्त करने का अधिकारी, हिस्सेदार 2. अपने द्वारा किए गए कर्म के शुभ अथवा अशुभ फल का पात्र वि. 1. सम्मिलित, शरीक 2. भाग्यवाला जैसे- बड़भागी।

**भागीरथ** वि. (तत्.) 1. भगीरथ से संबद्ध, संबंधित 2. भगीरथ का।

**भागीरथी** स्त्री. (तत्.) 1. राजा भगीरथ द्वारा लाई गयी गंगा नदी, गंगा का नामांतर 2. गंगा की तीन प्रमुख शाखाओं में एक।

**भाग्य** पुं. (तत्.) 1. वह नियत एवं अटल दैवी विधान जिसके अनुसार मनुष्य के सब कार्य पहले से ही निश्चित माने जाते हैं टि. ऐसा माना जाता है कि यह प्रत्येक व्यक्ति के ललाट पर लिखा होता है, तकदीर, किस्मत 2. अच्छा भाग्य, सौभाग्य 3. समृद्धि, संपन्नता 4. आनंद, कल्याण।

**भाग्यवान्** वि. (तत्.) भाग्यशाली।

**भाजक** पुं. (तत्.) 1. विभाग करने वाला, बांटने वाला 2. गणि. वह अंक/संख्या जिससे किसी अन्य संख्या को भाग दिया जाए।

**भाजन** पुं. (तत्.) 1. विभाग करने की क्रिया या भाव 2. गणित में भाग की क्रिया 3. बर्तन, भांडा, पात्र 4. उपयुक्त आधार अथवा आश्रय 5. कुछ प्राप्त करने के योग्य पात्र जैसे- विश्वास भाजन।

**भाजना** अ.क्रि. (देश.) भागना।

**भाजी** स्त्री. (तद्.) साग, तरकारी स्त्री. (तत्.) 1. चावल का मांड, दलिया 2. यवागू 3. विवाहादि मांगलिक अवसरों पर संबंधियों आदि को दी जाने वाली मिठाई आदि।